अंक-योजना अत्यंत गोपनीय (केवल आंतरिक और प्रतिबंधित उपयोग के लिए) वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय प्रमाणपत्र परीक्षा, **2025** विषय-हिंदी (ऐच्छिक) (प्रश्न-पत्र कोड **29**/7/1-3)

<u>सामान्य निर्देश:-</u>

1	आप जानते ही हैं कि परीक्षार्थियों के वास्तविक और सही मूल्यांकन में 'मूल्यांकन' सबसे महत्त्वपूर्ण प्रक्रिया है। मूल्यांकन में एक छोटी-सी गलती भी गंभीर समस्याओं का कारण बन सकती है, जिसका प्रभाव परीक्षार्थियों के भविष्य, शिक्षा-प्रणाली और शिक्षण पर पड़ सकता है। आपसे अनुरोध है कि गलतियों से बचने के लिए मूल्यांकन शुरू करने से पहले 'मूल्यांकन दिशा-निर्देशों' को ध्यान से **अवश्य** पढ़ें, समझें और मूल्यांकन करते समय उनका पालन **अवश्य** करें।
2	"मूल्यांकन एक गोपनीय नीति है क्योंकि यह आयोजित परीक्षाओं, किए गए मूल्यांकन और कई अन्य पहलुओं की गोपनीयता से संबंधित है। किसी भी तरह से इसे सार्वजनिक करने से परीक्षा-प्रणाली पटरी से उतर सकती है और लाखों परीक्षार्थियों के जीवन और भविष्य को प्रभावित कर सकती है। इस नीति/दस्तावेज को किसी से भी साझा करना, किसी पत्रिका में प्रकाशित करना और समाचार पत्र/वेबसाइट में छापना आदि बोर्ड और आईपीसी के विभिन्न नियमों के अंतर्गत कार्यवाही को आमंत्रित कर सकता है।"
3	मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया जाना चाहिए। इसे किसी की अपनी व्याख्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए। अंक-योजना का सख्ती से पूरी तरह पालन किया जाना चाहिए। मूल्यांकन करते समय, जो उत्तर नवीनतम जानकारी या ज्ञान पर आधारित हैं, उनका सत्यता एवं प्रासंगिकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाए। योग्यता-आधारित प्रश्नों का मूल्यांकन करते समय दिए गए उत्तर को समझने का प्रयास करें और उचित अभिव्यक्ति पर उचित अंक दें।
4	अंक-योजना में उत्तरों के लिए केवल सुझावात्मक बिंदु दिए गए हैं। ये केवल दिशा-निर्देश हैं।
5	प्रधान परीक्षक को पहले दिन प्रत्येक मूल्यांकनकर्त्ता द्वारा मूल्यांकित पहली पाँच उत्तर पुस्तिकाओं का पुनरावलोकन अवश्य करना चाहिए, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि मूल्यांकन अंक-योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार किया गया है। यदि मूल्यांकन में कोई भिन्नता है तो विचार-विमर्श और चर्चा के बाद उसे दूर किया जाना चाहिए। मूल्यांकन के लिए शेष उत्तर पुस्तिकाएँ यह सुनिश्चित करने के बाद ही दी जाएँ।

6	मूल्यांकनकर्त्ता उत्तर सही होने पर सही (✓) का निशान लगाएँ, गलत उत्तर के लिए क्रॉस (**X**) का निशान लगाएँ। मूल्यांकन करते समय सही (✓) का निशान नहीं लगाने पर भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है और यह आभास होता है कि उत्तर सही है और कोई अंक नहीं दिया गया।
7	यदि किसी प्रश्न में उपभाग हैं तो प्रत्येक उपभाग के लिए दाईं ओर बिना घेरा लगाए अंक दें। प्रश्न के विभिन्न उपभागों पर दिए गए अंकों को जोड़कर बाएं हाथ के हाशिए में प्रश्न संख्या के समीप लिखकर घेरा लगाएँ। इसका सख्ती से पालन किया जाना चाहिए।
8	यदि किसी प्रश्न में कोई उपभाग नहीं है, तो बाईं ओर हाशिये में प्रश्न संख्या के समीप अंक दिए जाने चाहिए और घेरा लगाया जाना चाहिए।
9	यदि किसी परीक्षार्थी ने अतिरिक्त प्रश्न का उत्तर लिखा है तो अधिक अंक पाने वाले प्रश्न के उत्तर को ही स्वीकार किया जाना चाहिए तथा अन्य उत्तर पर 'अतिरिक्त प्रश्न' लिखकर काट दिया जाना चाहिए।
10	वर्तनी सम्बन्धी एक ही अशुद्धि के लिए बार-बार अंक न काटा जाए।
11	अंकों के पूरे पैमाने 0 से 80 अंक का उपयोग किया जाए। यथोचित उत्तर पर पूरे अंक देने में संकोच न करें।
12	प्रत्येक परीक्षक को अनिवार्य रूप से पूरे कार्यसमय अर्थात प्रतिदिन 8 घंटे मूल्यांकन कार्य करना होगा तथा मुख्य विषयों में प्रतिदिन 20 उत्तर पुस्तिकाओं तथा अन्य विषयों में प्रतिदिन 25 उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन करना होगा (विवरण दिशा-निर्देशों में दिया गया है)। यह पाठ्यक्रम में कमी तथा प्रश्न-पत्र में प्रश्नों की संख्या को ध्यान में रखते हुए किया गया है।
13	सुनिश्चित करें कि आप परीक्षक द्वारा अतीत में की गई निम्नलिखित सामान्य प्रकार की गलतियाँ न करें:- ● उत्तर पुस्तिका में उत्तर या उपभाग को बिना मूल्यांकन के छोड़ देना ● किसी उत्तर के लिए निर्धारित अंकों से अधिक अंक देना ● उत्तर पर दिए गए अंकों का गलत योग ● उत्तर पुस्तिका के अंदर के पृष्ठों से मुखपृष्ठ पर अंकों का गलत अंकन ● मुखपृष्ठ पर प्रश्न के अनुसार अंकों का गलत योग ● मुखपृष्ठ पर दो स्तंभों के अंकों का गलत योग ● गलत कुल योग ● शब्दों और अंकों में लिखे कुल योग का समान न होना ● उत्तर पुस्तिका से ऑनलाइन अंकतालिका में अंकों का गलत अंकन ● उत्तरों को सही के रूप में चिह्नित किया जाना लेकिन अंक न दिया जाना ● उत्तर का आधा या एक हिस्सा सही और बाकी को गलत चिह्नित करना लेकिन कोई अंक न देना

14	उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय यदि उत्तर पूर्णतः गलत पाया जाए तो उस पर क्रॉस (X) का निशान लगाकर शून्य (0) अंक दिया जाना चाहिए।
15	मूल्यांकन न किया गया कोई भी भाग, मुखपृष्ठ पर अंकन न होना या बाद में प्रकट हुई कोई भी त्रुटि मूल्यांकन कार्य में लगे सभी कर्मियों और बोर्ड की प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाएगी इसलिए सभी संबंधितों की प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए यह फिर से दोहराया जाता है कि निर्देशों का सावधानीपूर्वक और विवेकपूर्ण तरीके से पालन किया जाना चाहिए।
16	परीक्षकों को वास्तविक मूल्यांकन शुरू करने से पहले मूल्यांकन के लिए दिए गए दिशानिर्देशों से परिचित होना चाहिए।
17	प्रत्येक परीक्षक यह भी सुनिश्चित करेगा कि सभी उत्तरों का मूल्यांकन किया गया है, अंक मुखपृष्ठ पर अंकित किए गए हैं, अंकों का सही योग किया गया है तथा कुल योग को मुखपृष्ठ और लिखे गए अंतिम पृष्ठ पर अंकों और शब्दों में सही लिखा गया है।
18	परीक्षार्थी निर्धारित प्रोसेसिंग फीस का भुगतान करके अनुरोध पर उत्तर पुस्तिका की फोटोकॉपी प्राप्त करने के हकदार हैं। सभी परीक्षकों/अतिरिक्त प्रधान परीक्षकों/प्रधान परीक्षकों को एक बार फिर याद दिलाया जाता है कि उन्हें यह सुनिश्चित करना होगा कि मूल्यांकन प्रत्येक उत्तर के लिए अंकयोजना में दिए गए मूल्य बिंदुओं के अनुसार सख्ती से किया गया है।

Series: WYX7Z प्रश्न-पत्र कोड - **29/7/1,2,3**

अंक-योजना 2024-25

हिंदी (ऐच्छिक)

निर्धारित समय :3 घण्टे *अधिकतम अंक* : 80

प्रश्न सं.	प्रश्न-पत्र कोड			उत्तर-संकेत बिंदु	अंक
				खंड - क **(अपठित बोध)**	**18**
	29/7/**1**	29/7/**2**	29/7/**3**		
1	1	2	1	अपठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर :	**10**
				(i)(A) मस्तिष्क की तरंगों का समूह	1
				(ii)(A) डॉ. रघुवंश के चरित्र की आर्थिक स्वच्छता दर्शाने के लिए	1
				(iii)(A) संकल्प	1
				(iv) मस्तिष्क में उठने वाली भाव रूपी तरंगों को संवेगों के रूप में विकसित कर उन्हें क्रियात्मक रूप प्रदान करना	1
				(v) ● अपनी अपंगता को संवेगात्मक सशक्तता प्रदान की ● मन की सुदृढ़ता से हाथों की कमी को पैरों से दूर करके	2
				(vi) ● आंतरिक स्वच्छता का संबंध मन और व्यवहार की स्वच्छता से जबकि बाह्य स्वच्छता का संबंध तन और वातावरण से ● जीवन में आंतरिक स्वच्छता का महत्त्व अधिक **क्यों:-** मन और व्यवहार की स्वच्छता का अपने और साथ वाले के व्यक्तित्व पर सकारात्मक प्रभाव	2

				(vii)● अपनी कमजोरी को अपनी दुर्बलता न बनाकर उसे ताकत बनाना ● मन को सुदृढ़ बनाना, मन और व्यवहार में शुचिता	2
2	**2**	**1**	**2**	अपठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर : (i) (D) संघर्ष के बल से (ii)(D) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है। (iii) (A) सुख की ऊर्जा से भर देना (iv)● जीवन की हर परिस्थिति में तटस्थ रहकर आगे बढ़ना ● हार न मानकर संघर्ष करना (v)● जीवन रूपी संग्राम में मिलने वाली पराजय संघर्ष की समाप्ति नहीं ● हार के कारणों पर विचार करके पुनः संघर्ष के लिए ऊर्जा एकत्र करना (vi)● प्रत्येक परिस्थिति में समभाव से जीना ● जीवन संघर्ष के प्रत्येक सकारात्मक-नकारात्मक प्रभाव को शांत चित्त रहकर स्वीकार करना	**8** 1 1 1 1 2 2
				खंड-ख (अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित)	**22**
3	**3**	**5**	**5**	प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर : (क) **एंकर बाइट**—घटना की सूचना और दृश्य दिखाने के साथ घटना के बारे में प्रत्यक्षदर्शियों और संबंधित व्यक्तियों के कथन **महत्त्व-** खबर को प्रमाणिकता प्रदान करना (ख) ● सामान्य बातचीत भावनाओं के आदान-प्रदान का माध्यम, जबकि पत्रकारीय साक्षात्कार में संबंधित व्यक्ति से जुड़े तथ्यों, राय और विचारों को सामने लाना	 **1** **2**

				● पत्रकारीय साक्षात्कार का एक स्पष्ट मकसद और ढाँचा जबकि सामान्य बातचीत के लिए किसी मकसद या ढाँचे की आवश्यकता नहीं ● सामान्य बातचीत अनौपचारिक जबकि पत्रकारीय साक्षात्कार औपचारिक (ग) ● लेख में लेखक के विचारों को प्रमुखता जबकि विशेष रिपोर्ट में तथ्यों का विशेष महत्त्व ● लेख में लेखक को तथ्यों के साथ अपने विचार प्रस्तुत करने की छूट जबकि विशेष रिपोर्ट पूर्णतः तथ्यों पर आधारित ● लेख में लेखक द्वारा विश्लेषण और तर्कों के जरिए अपनी राय प्रस्तुत करना जबकि विशेष रिपोर्ट में तथ्यों की गहरी छानबीन, विश्लेषण और व्याख्या	**2**
4	**4**	**6**	**6**	किन्हीं **दो** प्रश्नों के अपेक्षित उत्तर : (क) मुक्त उत्तर (पसंद और माध्यम की खूबियों का उल्लेख आवश्यक) (ख) ● वर्तमान अर्थ प्रधान युग में अर्थ हर आदमी के जीवन का मूल आधार ● जीवन की प्रत्येक गतिविधि आर्थिक फ़ायदे, नफ़ा-नुकसान पर आधारित और इसका संबंध कारोबार और अर्थ-जगत से ● कारोबार, व्यापार और अर्थ-जगत के क्षेत्र से संबंधित खबरों में पाठक की रुचि ● राजनीति और अर्थव्यवस्था के बीच गहरा संबंध (ग) ● वर्तमान में इंटरनेट पत्रकारिता का तीसरा दौर, पहला दौर 1993 से शुरू और दूसरा 2003 से	**3 x 2 = 6**

				● आज हिन्दी और अंग्रेजी के अनेक अखबार इंटरनेट पर उपलब्ध ● समाचार प्रसारित करने वाले अनेक चैनल भी इंटरनेट पर उपलब्ध ● यू-ट्यूब पर स्वतन्त्र चैनलों, वीडियो और पॉडकास्ट की धूम	
5	**5**	**3**	**4**	किसी **एक** विषय पर लगभग 100 शब्दों में रचनात्मक लेख:- विषय-वस्तु : 3 अंक भाषा : 1 अंक प्रस्तुति : 1 अंक	**5**
6	**6**	**4**	**3**	किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में अपेक्षित : (क) ● शब्द कविता के मूल आधार ● कविता लेखन के प्राथमिक उपकरण ● शब्द भावनाओं और संवेदनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम ● शब्दों से खेलना अर्थात उनसे मेलजोल बढ़ाना और उनके अंदर छिपे अर्थ की परतों को खोलना (ख) ● रंगमंच प्रतिरोध का सबसे सशक्त माध्यम ● असंतुष्टि, छटपटाहट, प्रतिरोध और अस्वीकार जैसे नकारात्मक तत्वों के समावेश से ही नाटक का सशक्त बनना ● नायक प्रतिनायक की उपस्थिति से नाटक में द्वंद्व का विकास (ग) ● कहानी को गति प्रदान करना ● पात्रों के चरित्र-चित्रण में सहायक ● पात्रों के मनोंभावों को व्यक्त करने में सहायक	**3 x 2 = 6**

				● पात्रों को कहानी में स्थापित एवं विकसित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका ● कथाकार की प्रतिक्रिया या कहानी की कोई घटना जिसे दिखाया न जा सके, संवादों के माध्यम से प्रस्तुति ● पात्रों की विभिन्न स्थितियों का परिचय संवादों से ही	
				खंड-ग **(पाठ्य-पुस्तक अंतरा, अंतराल पर आधारित)**	**40**
7	**7**	**9**	**8**	पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के अपेक्षित विकल्प : (i)(A) भारत भूमि की प्राकृतिक सुंदरता का (ii)(B) शरणार्थी (iii)(C) तालाब में खिले कमलों पर (iv)(C) कथन सही है तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है। (v)(D) प्रेम और माधुर्य से परिपूर्ण भारतीयों के कारण	**1 x 5 = 5**
8	**8**			काव्य खंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित :- (क) ● 'सरोज स्मृति' निराला के शोक संतप्त हृदय का मार्मिक एवं हृदय स्पर्शी उद्गार ● पत्नी और पुत्री के असामयिक निधन से आहत ● कुछ न कर पाने की विवशताजन्य पीड़ा की अभिव्यक्ति (ख) ● दीपक मानव का प्रतीकार्थ ● प्रत्येक मानव योग्यता और क्षमता से परिपूर्ण ● समाज का अंग होकर भी उसका अपना पृथक अस्तित्व ● लघु होने के बावजूद आत्मविश्वास से भरा हुआ (ग) ● बनारस गंगा के साथ विशिष्ट आस्था का केंद्र	**2 x 2 = 4**

				● आधुनिकता के समाहार के बावजूद इस शहर की अति प्राचीनता, आध्यात्मिकता और भव्यता में कोई अंतर नहीं	
				● पुराने मूल्य, मान्यताएँ, आस्था, श्रद्धा, विश्वास सभी कुछ धरोहर के रूप में सुरक्षित	
		7		(क)	
				● आजीवन संघर्षरत	
				● अपनी पत्नी और पुत्री की असामयिक मृत्यु का दुख असहनीय	
				● आर्थिक अभाव	
				● पुत्री हेतु कर्त्तव्य पालन न कर पाने का दुख (कोई दो बिंदु अपेक्षित)	
				(ख)	
				● समाज का विकास	
				● समाज और राष्ट्र का मजबूत होना	
				● आत्मबोध का विश्वबोध में रूपांतरण	
				(ग)	
				● बनारस की प्राचीनता, आध्यात्मिकता और भव्यता चिरस्थायी	
				● आधुनिकता का उसके आध्यात्मिक स्वरूप की आस्था, श्रद्धा और भक्ति पर कोई प्रभाव नहीं	
			7	(क)	
				● निराला के शोक-संतप्त हृदय का मार्मिक एवं हृदयस्पर्शी उद्गार	
				● पुत्री के असामयिक निधन से आहत	
				● कुछ न कर पाने की विवशता	
				● प्रायश्चित करते हुए अपने सभी कर्मों का सुफल पुत्री को अर्पित करके उसका तर्पण करना	

				(ख) ● दीपक व्यक्ति का प्रतीक 'पनडुब्बा'—जीवन की गहराई से सत्य रुपी मोती को खोजकर लाने वाला व्यक्ति 'समिधा'—समाज में चेतना और जागृति का संचार करने वाला व्यक्ति अर्थात हर व्यक्ति का अपना अलग व्यक्तित्व और उसके भीतर छिपी संभावनाएँ (ग) ● बनारस शहर की प्राचीनता, आध्यात्मिकता, आस्था, विश्वास, भक्ति जन-जीवन में समाहित होना ● आधुनिकता से मुक्त रहकर प्राचीनता, आध्यात्मिकता में सम्पूर्णता का अनुभव करना	
9	**9**	**8**		किसी **एक** काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या : संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या: 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) कवि: सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' कविता : मैं ने देखा, एक बूँद अथवा (ख) कवि: मलिक मुहम्मद जायसी कविता: बारहमासा संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या: 3 अंक विशेष : 1 अंक (क)	**6**

			9	कवि: रघुवीर सहाय कविता: तोड़ो **अथवा** (ख) कवि: विद्यापति कविता: पद संदर्भ : 1 अंक (कवि और कविता का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या: 3 अंक विशेष : 1 अंक (क) कवि: केदारनाथ सिंह कविता: वसंत आया **अथवा** (ख) कवि: विद्यापति कविता: पद	
10	**10**	**12**	**10**	पठित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर : (i)(B) विरोध करना (ii)(D) व्यवस्था के कहर से बचना (iii)(B) व्यवस्था (iv)(B) किसी न किसी प्रलोभन के कारण (v)(C) कथन सही है, किंतु कारण, कथन की सही व्याख्या नहीं करता है।	**1 x 5 = 5**
11	**11**	**11**	**12**	किसी **एक** गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या : संदर्भ : 1 अंक (पाठ और लेखक का नाम) प्रसंग : 1 अंक (पूर्वापर संबंध) व्याख्या: 3 अंक विशेष : 1 अंक	**6**

				(क) लेखक: निर्मल वर्मा पाठ: जहाँ कोई वापसी नहीं **अथवा** (ख) लेखक: हजारी प्रसाद द्विवेदी पाठ: कुटज	
12	**12**	**10**		गद्य खंड पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में अपेक्षित:- (क) ● अन्य अध्यापकों द्वारा प्रधान अध्यापक को खुश करने के लिए ● अध्यापकों द्वारा अपने अहम् को संतुष्ट करने के लिए ● अपने विद्यालय की शिक्षण प्रणाली को सर्वश्रेष्ठ सिद्ध करने हेतु (ख) ● आश्चर्य और हैरानी होना ● अनिष्ट की आशंका से भयाकुल हो उठना ● बड़ी बहुरिया की कुशलता के प्रति आशंकित ● गुप्त समाचार की आशंका (ग) ● मंसा देवी के प्रागंण में, बाहर बिकने वाली पूजा सामग्री और खान-पान की चीजों का व्यापार ● विभिन्न प्रकार की सामग्रियों को बेचने की कला का व्यापार (क) ● लोक में निहित अंधविश्वासों और मान्यताओं का उल्लेख कर उन्हें दूर करना	**2 x 2 = 4**

				● जीवन के फैसलों के लिए सामाजिक मान्यताओं और विश्वासों पर भरोसा न कर विज्ञान और तर्क की कसौटी पर परखना (ख) ● संभव और पारो के बीच का प्रेम संबंध इसका साक्षी ● हर की पौड़ी पर दोनों के अचानक हुए मिलन से प्रथम प्रेम का स्फुरण ● एक दूसरे से मिलने की अकुलाहट तथा नजदीक आने की बेचैनी ● एक दूसरे से मिलने के लिए मंदिर में मनोकामना की गाँठ लगाना (ग) ● बड़ी हवेली में बड़े भैया के मरने के बाद संपत्ति का बँटवारा ● बड़ी बहुरिया के देवरों द्वारा निर्दयता की सारी हदें पार करते हुए बड़ी बहुरिया के शरीर पर धारण किए हुए रेशमी वस्त्रों का भी बँटवारा करना	
			11	(क) ● 'संवदिया' कहानी मानवीय संवेदना की गहन, विलक्षण एवं अद्भुत पहचान की अभिव्यक्ति ● संवदिया बड़ी बहुरिया के दुःख और पीड़ा का संवाहक ● असहाय और सहनशील नारी मन के कोमल तंतु, उसके दुःख और करुणा की पीड़ा के साथ हरगोबिन की सहानुभूति लेखक की सहानुभूति (ख) ● लोक में निहित अंधविश्वासों और मान्यताओं पर कटाक्ष करने के लिए ● जीवन के फैसलों के लिए सामाजिक मान्यताओं और विश्वासों पर भरोसा न कर विज्ञान और तर्क की कसौटी पर परखना	

				(ग) ● 'दूसरा देवदास' कहानी फिल्मी प्रभाव से सर्वथा मुक्त ● संभव द्वारा पारो के प्रेम की प्रतीक्षा करना ● संभव और पारो के प्रेम में प्रदर्शन से अधिक समर्पण का भाव ● प्रेम में सरलता और पवित्रता	
13	**13**			'अंतराल' पर आधारित किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में अपेक्षित :- (क) ● सूरदास कहानी का मुख्य पात्र, सूरदास और अपनी पत्नी सुभागी के अनैतिक संबंधों की झूठी कल्पना के कारण भैरों सूरदास की झोपड़ी में आग लगाना और रुपये की थैली चुराना ● झोंपड़ी जला दिए जाने और रुपयों के चोरी हो जाने के बाद भी सूरदास द्वारा प्रतिशोध न लेना और पुनर्निर्माण की बात करना आज समाज के लिए एक आदर्श **वर्तमान में प्रासंगिकता :-** ● लोगों में क्षमा, दया, करुणा, परोपकार जैसे नैतिक जीवन-मूल्यों का ह्रास होना ● वर्तमान में प्रतिशोध की भावना का बल पकड़ना ● व्यक्ति को सहृदय, सहिष्णु, आशावान बने रहने की प्रेरणा देना (ख) **वर्षा का वर्णन :** - ● बादलों के बरसने से पूर्व बादलों के घिरने और गरजने की आवाजें ● घनघोर अँधेरा होना ● तेज बारिश होने पर घोड़ों की पंक्ति के दौड़े चले आने का भ्रम होना	**5 x 2 = 10**

				● बारिश के विभिन्न रूपों से तबला, मृदंग और सितार जैसी ध्वनियों से वातावरण संगीतमय ● चारों तरफ खुशी का वातावरण **कठिनाइयाँ:-** ● जलावन की समस्या ● गंदगी, कीचड़ और बदबू, कीड़ों-मकोड़ों की बहुतायत ● आवागमन की परेशानी ● घर ढहना, खेत-खलिहानों में पानी भरना, बाढ़ आदि का खतरा (ग) ● देश के अन्य भागों में भी नदियों की स्थिति मालवा से कुछ भिन्न नहीं, नदियों के जल स्तर में कमी आना ● नदियों के पाट-घाट दिन-प्रतिदिन छोटे होते जाना ● नदियों का सूखना, प्रदूषित होना ● नदियों का बरसाती होना ● नदियों पर कंक्रीट के राक्षसी बांध बना देना **कारण :** ● जनसंख्या वृद्धि ● औद्योगिक इकाइयों द्वारा अपना विषैला जल नदियों में छोड़ा जाना ● धार्मिक आस्थाओं के चलते लोगों द्वारा नदियों को प्रदूषित करना ● प्लास्टिक कचरे को नदियों में डालना (अन्य उचित कारण भी स्वीकार्य)	
		13		(क) ● सुख-दुख को समभाव रूप से ग्रहण करने की प्रेरणा ● जीवन को खेल की तरह स्वीकार करने की प्रेरणा ● जीत में घमंड न कर, हार में विचलित न होने की प्रेरणा	

				• संघर्ष करने की प्रेरणा • आशावादी बनने की प्रेरणा • विषम परिस्थितियों का धैर्य और संयम के साथ सामना करने की प्रेरणा • प्रतिशोध की भावना न रखने की प्रेरणा (ख) • देश के अन्य भागों में भी नदियों की स्थिति मालवा से कुछ भिन्न नहीं, नदियों के जल स्तर में कमी आना • नदियों के पाट-घाट दिन-प्रतिदिन छोटे होते जाना • नदियों का सूखना, प्रदूषित होना • नदियों का बरसाती होना • नदियों पर कंक्रीट के राक्षसी बांध बना देना **कारण :-** • जनसंख्या वृद्धि • औद्योगिक इकाइयों द्वारा अपना विषैला जल नदियों में छोड़ा जाना • धार्मिक आस्थाओं के चलते लोगों द्वारा नदियों को प्रदूषित करना • प्लास्टिक कचरे को नदियों में डालना (अन्य उचित कारण भी स्वीकार्य) (ग) **वर्षा का वर्णन :** • बादलों के बरसने से पूर्व बादलों के घिरने और गरजने की आवाजें • घनघोर अँधेरा होना • तेज बारिश होने पर घोड़ों की पंक्ति के दौड़े चले आने का भ्रम होना	

				• बारिश के विभिन्न रूपों से तबला, मृदंग और सितार जैसी ध्वनियों से वातावरण संगीतमय • चारों तरफ खुशी का वातावरण **कठिनाइयाँ:-** • जलावन की समस्या • गंदगी, कीचड़ और बदबू, कीड़ों-मकोड़ों की बहुतायत • आवागमन की परेशानी • घर ढहना, खेत-खलिहानों में पानी भरना, बाढ़ आदि का खतरा	
			13	(क) • सूरदास कहानी का प्रमुख पात्र नेत्रहीन होते हुए भी लाचार और बेबस नहीं, जिजीविषा से भरपूर • सारी विषम परिस्थितियों- झोपड़ी का जल जाना, रुपयों की पोटली का चोरी हो जाना, सुभागी को लेकर गाँव वालों के लांछन का सामना धैर्य व साहस के साथ करना • आत्मबल से युक्त • आशावादी दृष्टिकोण • गांधीवादी विचारधारा में विश्वास • प्रतिशोध में नहीं पुनर्निर्माण में विश्वास • जीवन को खेल की तरह स्वीकार करना (ख) **वर्षा का वर्णन : -** • बादलों के बरसने से पूर्व बादलों के घिरने और गरजने की आवाजें • घनघोर अँधेरा होना • तेज बारिश होने पर घोड़ों की पंक्ति के दौड़े चले आने का भ्रम होना	

				● बारिश के विभिन्न रूपों से तबला, मृदंग और सितार जैसी ध्वनियों से वातावरण संगीतमय ● चारों तरफ खुशी का वातावरण **कठिनाइयाँ:-** ● जलावन की समस्या ● गंदगी, कीचड़ और बदबू, कीड़ों-मकोड़ों की बहुतायत ● आवागमन की परेशानी ● घर ढहना, खेत-खलिहानों में पानी भरना, बाढ़ आदि का खतरा (ग) ● देश के अन्य भागों में भी नदियों की स्थिति मालवा से कुछ भिन्न नहीं, नदियों के जल स्तर में कमी आना ● नदियों के पाट-घाट दिन-प्रतिदिन छोटे होते जाना ● नदियों का सूखना, प्रदूषित होना ● नदियों का बरसाती होना ● नदियों पर कंक्रीट के राक्षसी बांध बना देना **कारण :-** ● जनसंख्या वृद्धि ● औद्योगिक इकाइयों द्वारा अपना विषैला जल नदियों में छोड़ा जाना ● धार्मिक आस्थाओं के चलते लोगों द्वारा नदियों को प्रदूषित करना ● प्लास्टिक कचरे को नदियों में डालना (अन्य उचित कारण भी स्वीकार्य)	